समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

अहिल्यानगर के उद्योगपति नचिकेत रसाल की प्रेरणादायी सफलता गाथा, संघर्ष और मेहनत से खड़ा किया 200 लोगों को रोजगार देने वाला उद्योग समूह

Sanket Morankar
Published on 11 May 2026

नचिकेत रसाल आज महाराष्ट्र के उभरते हुए उद्योगपतियों में एक प्रेरणादायी नाम बन चुके हैं। एक साधारण शिक्षक परिवार में जन्म लेकर सीमित संसाधनों के बीच संघर्ष करते हुए उन्होंने जिस प्रकार अपने सपनों को साकार किया, वह आज हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गया है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि इंसान मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े, तो कोई भी परिस्थिति उसे सफल होने से नहीं रोक सकती।

नचिकेत रसाल वर्तमान में SV Industries, Disha Engineering Co और Myeco India Group के डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। आज उनका औद्योगिक समूह 200 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर रहा है, लेकिन इस सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष, कठिन परिश्रम और लगातार सीखने की जिद छिपी हुई है।

उन्होंने वर्ष 1995 में अपने करियर की शुरुआत की। बचपन से ही तकनीकी क्षेत्र में रुचि रखने वाले नचिकेत रसाल ने पुणे स्थित MIT Pune से मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं टूल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की। खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी पढ़ाई “Earn & Learn” पद्धति के माध्यम से पूरी की। आर्थिक परिस्थितियां बेहद साधारण थीं, इसलिए पढ़ाई के साथ काम करना उनकी मजबूरी भी थी और संघर्ष का हिस्सा भी। लेकिन उन्होंने कभी हालात को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया।

नचिकेत रसाल बताते हैं कि उनके जीवन का सबसे कठिन दौर वह था जब वे लगभग सात वर्षों तक एक ही सवाल में उलझे रहे — “क्या किस्मत बड़ी होती है या मेहनत ?” यह सवाल उनके जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष बन गया था। कई बार परिस्थितियां ऐसी बनीं कि हार मान लेना आसान लगता था, लेकिन उन्होंने मेहनत और प्रयास का रास्ता चुना। यही निर्णय आगे चलकर उनकी सफलता की सबसे बड़ी वजह बना।

सिर्फ दो लोगों के साथ शुरू हुआ उनका छोटा-सा काम आज एक बड़े औद्योगिक समूह का रूप ले चुका है। मशीनों और तकनीकी

क्षेत्र में लगातार नए प्रयोग, गुणवत्ता पर विशेष ध्यान और कर्मचारियों को परिवार की तरह साथ लेकर चलने की सोच ने उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज उनके उद्योग समूह में 200 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जो महाराष्ट्र की औद्योगिक और आर्थिक प्रगति में अपना योगदान दे रहे हैं।

नचिकेत रसाल का मानना है कि किसी भी उद्योग की असली ताकत वहां काम करने वाले लोग होते हैं। वे अपने कर्मचारियों को केवल स्टाफ नहीं, बल्कि अपने सपनों का साथी मानते हैं। यही वजह है कि उनके संस्थानों में कार्य करने वाले लोगों के बीच विश्वास और अपनापन दिखाई देता है।

हाल ही में उन्हें मिले सम्मान को लेकर उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार केवल उनका नहीं, बल्कि उन सभी मेहनतकश हाथों का सम्मान है, जो दिन-रात मेहनत करके उद्योग को आगे बढ़ाने में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की धरती पर जन्म लेना और यहां उद्योग स्थापित कर रोजगार निर्माण करना उनके लिए गर्व की बात है।

उन्होंने यह भी कहा कि आज के युवाओं को परिस्थितियों से डरने के बजाय अपने कौशल और मेहनत पर भरोसा करना चाहिए। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, लेकिन ईमानदारी और निरंतर प्रयास इंसान को मंजिल तक जरूर पहुंचाते हैं।

नचिकेत रसाल की यह प्रेरणादायी यात्रा केवल एक उद्योगपति की कहानी नहीं, बल्कि संघर्ष से सफलता तक पहुंचने की जीवंत मिसाल है। उनकी कहानी उन युवाओं को नई ऊर्जा देती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं। मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ कैसे एक सामान्य परिवार का युवक सैकड़ों लोगों को रोजगार देने वाला उद्योग समूह खड़ा कर सकता है, इसका उत्कृष्ट उदाहरण आज नचिकेत रसाल बन चुके हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.